हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

एम.एच.डी.-5 : साहित्य सिद्धान्त और समालोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रत्येक खण्ड में से **दो-दो** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है । शेष **एक** प्रश्न का उत्तर किसी भी खण्ड से दिया जा सकता है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

खण्ड क

1. 'काव्य प्रेरणा' के अर्थ को स्पष्ट करते हुए इस संदर्भ में पाश्चात्य विद्वानों के मतों का उल्लेख कीजिए । *20*

2. 'काव्य प्रयोजन' सम्बन्धी भारतीय आचार्यों के मतों का विश्लेषण कीजिए । *20*

3. काव्य की आत्मा के रूप में रीति सिद्धांत की स्थापनाओं पर प्रकाश डालिए । *20*

4. 'रस चिंतन' की भारतीय परम्परा का वर्णन कीजिए । *20*

5. हिन्दी की मार्क्सवादी आलोचना परम्परा का परिचय दीजिए । *20*

खण्ड ख

6. लोंजाइनस के उदात्त सिद्धांत की विवेचना कीजिए । *20*

7. 'अभिव्यंजनावाद' और 'वक्रोक्तिवाद' के साम्य और वैषम्य को रेखांकित कीजिए । *20*

8. 'स्वच्छंदतावाद' की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । *20*

9. जॉन ड्राइडन के आलोचना सिद्धांतों का विवेचन कीजिए । *20*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×10=20*

(क) गुणीभूत व्यंग्य

(ख) अनुमितिवाद

(ग) सहृदय की अवधारणा

(घ) विरेचन सिद्धांत

(ङ) एस.टी. कालरिज